

आल्हा की रह गई कहानी. पूजी जिनने शारदा सियानी
 शारदा सियानी मैया- शारदा भवानी

आल्हा की-----

बैठी पहाड़ मैया- सारे जग देखे
 आये जो शरण में- ओ खों रुकई रो लेखे
 माहिमा तुम्हारी कौन ने जानी ॥२॥

पूजी जिनने----- आल्हा की-----

हम दीनों खों- तुम ने भुल्लैयो, सेवा खों मैया- रखों बुल्लैयो.
 दर्शन से आत्मा रिझानी ॥२॥

पूजी जिनने----- आल्हा की-----

बिन संतान जो तेरी शरण आये
 मन माफिक फल तुरतई पाये
 गोदी मे खेले निशानी ॥२॥

पूजी जिनने----- आल्हा की-----

हर जन्मों में- मिलियो माता
 बिन तेरे मैया- कोई न सुहाता
 करियो दया कल्याणी ॥२॥

पूजी जिनने----- आल्हा की-----

पूजा न जाने - मैया भक्ति न जाने
 सेवा न जाने - मैया युक्ति न जाने
 दास "श्री बाबा श्री" अज्ञानी

आजा मैया शारदा सियानी
 आजा मैया शारदा भवानी